



॥ अग्नि देव स्तुति ॥
अग्नि देव पूजा, जो कोई नर करे
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल
बनावे

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ अग्नि देव स्तुति ॥

अग्निमीळे पुरोहितं, यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्॥
हे अग्नि देव,

आप यज्ञ के प्रधान देवता, पवित्रता और तेज के स्वरूप हैं।
आप समस्त देवताओं तक हवन और भक्तों की प्रार्थना पहुँचाते हैं।

नमस्ते अग्निदेवाय, ज्वालामालाविभूषितम्।
शक्तिरूपं महातेजं, विश्वपावनमव्ययम्॥
त्वं माता त्वं पिता चैव, त्वं बन्धुः परमेश्वरः।
त्वया पवित्रितं सर्वं, जीवनं मंगलप्रदम्॥
हव्यवाहन देवेश, भक्तानुग्रहकारक।
पापं मे दह दह त्वं, शुद्धिं कुरु नमोऽस्तु ते॥
यज्ञरूप धराधार, तेजोमय जगदीश्वर।
अज्ञानतम नाशाय, प्रकाशं देहि मे प्रभो॥
रोगदोषभयं नाशं, आयुर्बलं सुखं तथा।
देहि मे कृपया नित्यं, अग्निदेव नमोऽस्तु ते॥

मंत्र

ॐ अग्नये नमः॥

फल

घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।
भय, नकारात्मकता और दोष दूर होते हैं।
यज्ञ, हवन और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।
आत्मबल और तेज में वृद्धि होती है।